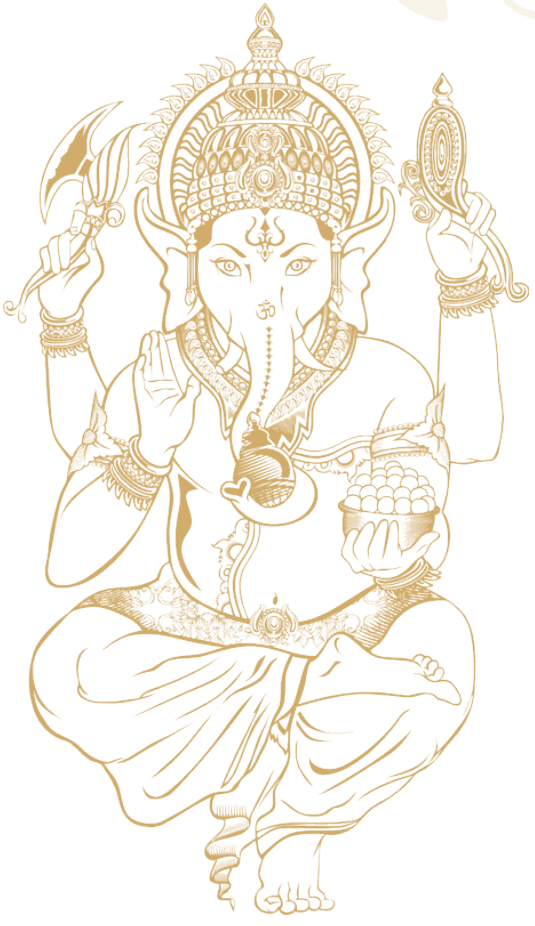

Sachika biljwan

16 Nov 2018

07:47 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121485602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/11/2018**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:47:00 घंटे**
इष्ट	32:35:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:25:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:18 घंटे
साम्पातिक काल	23:08:18 घंटे
सूर्योदय	06:44:38 घंटे
सूर्यास्त	17:27:04 घंटे
दिनमान	10:42:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:03:09 वृश्चिक
लग्न के अंश	06:35:19 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:35:19	329:53:30	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	00:03:09	01:00:28	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	10:39:06	11:57:29	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	06:17:29	00:36:53	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			वृश्चि	19:21:32	00:04:15	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु		अ	वृश्चि	07:39:57	00:13:19	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	01:07:36	00:00:21	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	12:13:15	00:05:50	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
राहु	व		कर्क	05:03:07	00:01:12	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	05:03:07	00:01:12	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	05:30:46	00:02:10	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
नेप	व		कुंभ	19:35:54	00:00:17	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो			धनु	25:10:02	00:01:19	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	21:49:56	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:58

लग्न-चलित

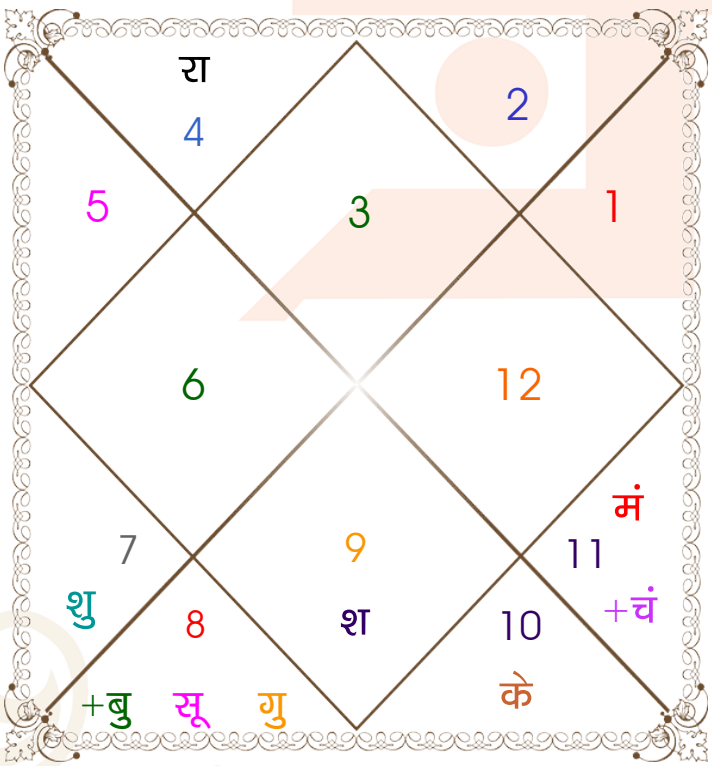

चन्द्र कुंडली

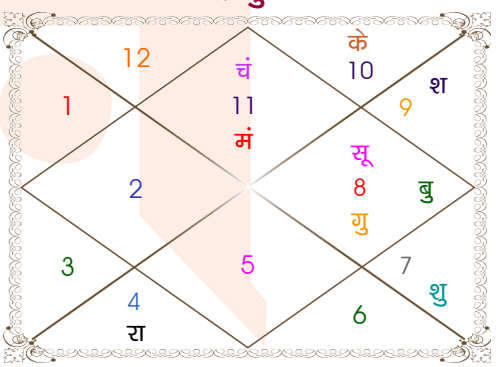

नवमांश कुंडली

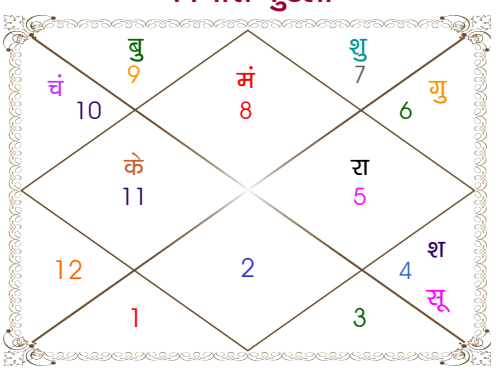

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 7 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/11/2018		01/07/2031		01/07/2047		01/07/2066		01/07/2083	
01/07/2031		01/07/2047		01/07/2066		01/07/2083		01/07/2090	
	00/00/0000	गुरु	18/08/2033	शनि	04/07/2050	बुध	26/11/2068	केतु	27/11/2083
	16/11/2018	शनि	29/02/2036	बुध	13/03/2053	केतु	23/11/2069	शुक्र	26/01/2085
शनि	12/06/2021	बुध	06/06/2038	केतु	22/04/2054	शुक्र	23/09/2072	सूर्य	03/06/2085
बुध	30/12/2023	केतु	13/05/2039	शुक्र	21/06/2057	सूर्य	31/07/2073	चंद्र	02/01/2086
केतु	17/01/2025	शुक्र	11/01/2042	सूर्य	03/06/2058	चंद्र	30/12/2074	मंगल	31/05/2086
शुक्र	18/01/2028	सूर्य	30/10/2042	चंद्र	03/01/2060	मंगल	27/12/2075	राहु	19/06/2087
सूर्य	11/12/2028	चंद्र	29/02/2044	मंगल	10/02/2061	राहु	16/07/2078	गुरु	25/05/2088
चंद्र	12/06/2030	मंगल	04/02/2045	राहु	18/12/2063	गुरु	21/10/2080	शनि	03/07/2089
मंगल	01/07/2031	राहु	01/07/2047	गुरु	01/07/2066	शनि	01/07/2083	बुध	01/07/2090

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/07/2090		02/07/2110		01/07/2116		02/07/2126		01/07/2133	
02/07/2110		01/07/2116		02/07/2126		01/07/2133		00/00/0000	
शुक्र	30/10/2093	सूर्य	19/10/2110	चंद्र	01/05/2117	मंगल	28/11/2126	राहु	14/03/2136
सूर्य	30/10/2094	चंद्र	20/04/2111	मंगल	01/12/2117	राहु	16/12/2127	गुरु	07/08/2138
चंद्र	30/06/2096	मंगल	26/08/2111	राहु	01/06/2119	गुरु	21/11/2128	शनि	17/11/2138
मंगल	30/08/2097	राहु	19/07/2112	गुरु	30/09/2120	शनि	31/12/2129		00/00/0000
राहु	31/08/2100	गुरु	08/05/2113	शनि	02/05/2122	बुध	28/12/2130		00/00/0000
गुरु	02/05/2103	शनि	20/04/2114	बुध	01/10/2123	केतु	26/05/2131		00/00/0000
शनि	02/07/2106	बुध	24/02/2115	केतु	01/05/2124	शुक्र	25/07/2132		00/00/0000
बुध	01/05/2109	केतु	02/07/2115	शुक्र	31/12/2125	सूर्य	30/11/2132		00/00/0000
केतु	02/07/2110	शुक्र	01/07/2116	सूर्य	02/07/2126	चंद्र	01/07/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 7 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।